Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw

डायमण्ड कॉमिक्स

महाबली शाका और खण्हर के शैतान

महाबली शाका और खण्डहर का शैतान

saurabh's uploads..

उत्तरी पहाड़ों पर बना क्रिस्टलों का किला आज भी खड़ा... है। और आस-पास के इलाके के लोगों की धारणा थी कि इस किले में अमावस्या की रात को... महाबली शाका के हाथों मारे गये सभी क्रिस्टलों की आत्माएं एकत्रित हो कर... महाबली शाका से अपने सर्वनाश का प्रतिशोध लेने की योजना बनातीं हैं।

कोसिमा के बीहड़ों की सर्द हवा में लिपटी यह रात- एक ऐसी रात थी जो अतीत की किताब में उन वर्को (पृष्ठों) की याद ताजा करने जा रही थी जब अट्ठानवे (९८) वें महाबली शाका ने उत्तर दिशा में खड़े पहाड़ो पर- क्रिस्टलों से उनके इस्पाती किले में एक भयानक जंग लड़ी थी- और उसने क्रिस्टलों का सर्वनाश करते हुए उनके इस्पाती किले को खण्डहर बना दिया था।

सम्पादक: गुलशन राय, लेखक: आशु, कला: सुमन

saurabh sharma...

क्रिस्टल- अट्ठानवें (९८) वें महाबली शाका के समय के वह खूंखार इन्सान थे- जिनसे दरिन्दे भी भय खाते थे। उनके अत्याचारों के किस्से दुनिया के हर भाग में सुने जाते थे। उनका मुख्य पेशा लूटमार था।

लेकिन सदियों बाद... आज फिर उस किले के विशाल अहाते में कुछ साये हरकत करते नजर आ रहे थे. लेकिन यह कहना मुश्किल था कि यह साये महाबली शाना के हाथों मारे गए क्रिस्टलों की आत्माएं थीं. या हकीकत में नए क्रिस्टलों पैदा हो गए थे. यह भी सम्भव था कि इन सायों का सम्बन्ध क्रिस्टलों से बिल्कुल ही न हो. लेकिन यह निश्चय था कि इनकी हकीकत जल्दी ही सामने आ जाने वाली थी।
स्वामी के आने का वक्त हो गया है. हमारी तैयारी एक दम पूरी है?
हां, पिंजरा टारगेट पर पहुंचा दिया गया है!
यह आपरेशन कामयाब हो गया तो हम सब माला-माल हो जाएंगे!
सुबह होते ही मालूम हो जाएगा कि यह आपरेशन कितना कामयाब है!

तभी उन सायों ने वातावरण में एक ऐसी जानी पहचानी आवाज सुनी-जिसकी उन्हें प्रतीक्षा थी. लेकिन यह आवाज अभी हल्की थी।
गड़गड़ गड़गड़
हमारा स्वामी वक्त का पक्का पाबन्द है-चाहे दुनिया इधर से उधर हो जाए-पर हमारा स्वामी आधा मिनट भी लेट नहीं होता!
श...श...श्री... ट्रान्समीटर सिग्नल दे रहा है!
उन्हें जो आवाज सुनाई दे रही थी-वह हेलीकाप्टर की आवाज थी-जो अब किले के बहुत नजदीक आ चुका था।

हलो... हलो... आपरेटर... डेबिल बोल रहा हूं... गुप्त संख्या... एक पांच-एक काली रात-सफेद बादल-ओवर।
गुप्त संख्या जीरो-एक पांच एक काले बादल सफेद रात- जवाब दो क्या हम सही हैं ?
उस साये ने ट्रांसमीटर का स्विच ऑन किया- और पहले से निर्धारित गुप्त संख्याओं तथा वाक्यों के द्वारा परिचय का आदान प्रदान होने लगा।
जवाब आपरेटर डेबिल देगा!
ओ.के. अब पोजीशन बताओ!
पोजीशन क्लीयर है- दो मील के चप्पे-चप्पे पर काली भेड़ों की निगाहें जमी हैं- अब तक किसी भी ओर से कोई संदिग्ध संकेत नहीं मिला!
ठीक है, अब लाईट सिग्नल दो!
ट्रांसमीटरधारी साये ने अपने तीनों साथियों को इशारा किया- तो वह वहां से तुरन्त हट गए- फिर ट्रांसमीटर धारी ने एक शक्तिशाली टार्च सात बार ऑन- आफ करके आठवीं बार आन की और रोशनी का दायरा बनाया।
ओ.के. अब सर्च लाइटें बन्द कर दो!
जो आज्ञा स्वामी!
बिल्कुल वैसा ही लाईट सिग्नल इस समय किले के ऊपर मण्डरा रहे हैलीकाप्टर ने दिया- फिर किले अहाते के चारों कोनों में चार सर्च लाईटें आन हो गयीं- चौथी सर्च लाईट ट्रांसमीटरधारी ने आन की थी- बाकी तीन सर्च लाइटों पर उसके वह तीनों साथी थे जो ट्रांसमीटरधारी साये का इशारा पाकर उसके पास से हट गए थे।

जैसे ही हैलीकाप्टर ने धरातल को स्पर्श किया- चारों सर्च लाईटें एक साथ ऑफ हो गयी- और चारों साये हैलीकाप्टर की ओर झपट पड़े।
और फिर एक लम्बा देवकाय इन्सान हैलीकाप्टर के दरवाजे पर लटकी सीढ़ियों पर प्रकट हुआ.
जिस क्षण विशालकाय जिस्म के स्वामी- उस रहस्यमय इन्सान ने जमीन पर पैर रखे- चारों साये उसके सामने अटैन्शन की मुद्रा में स्वचालित गनों से लैस खड़े नजर आए।
तैयारी पूरी है स्वामी !
शाबाश ! अब हमें टार्गेट पर ले चलो!
यहां जबकि इन लोगों के अतिरिक्त कोई भी बाहरी आदमी नहीं था और न ही इस ओर किसी अजनबी के आने का अन्देशा था- फिर भी सिर्फ यह चार साये ही उस रहस्यमय स्वामी के अंगरक्षक नहीं थे बल्कि दर्जनों अन्य काली भेड़ें (रक्षक गनमैन) उस पर नजरें जमाए हुए थी।

चारों साये अपने रहस्यमय स्वामी को किले से बाहर निकाल लाए- फिर सीढ़ियों वाले ढलान पर उतरने लगे।
और फिर उन सीढ़ियों को तय करके वह एक विशाल-काय समतल चट्टान पर पहुंचे।

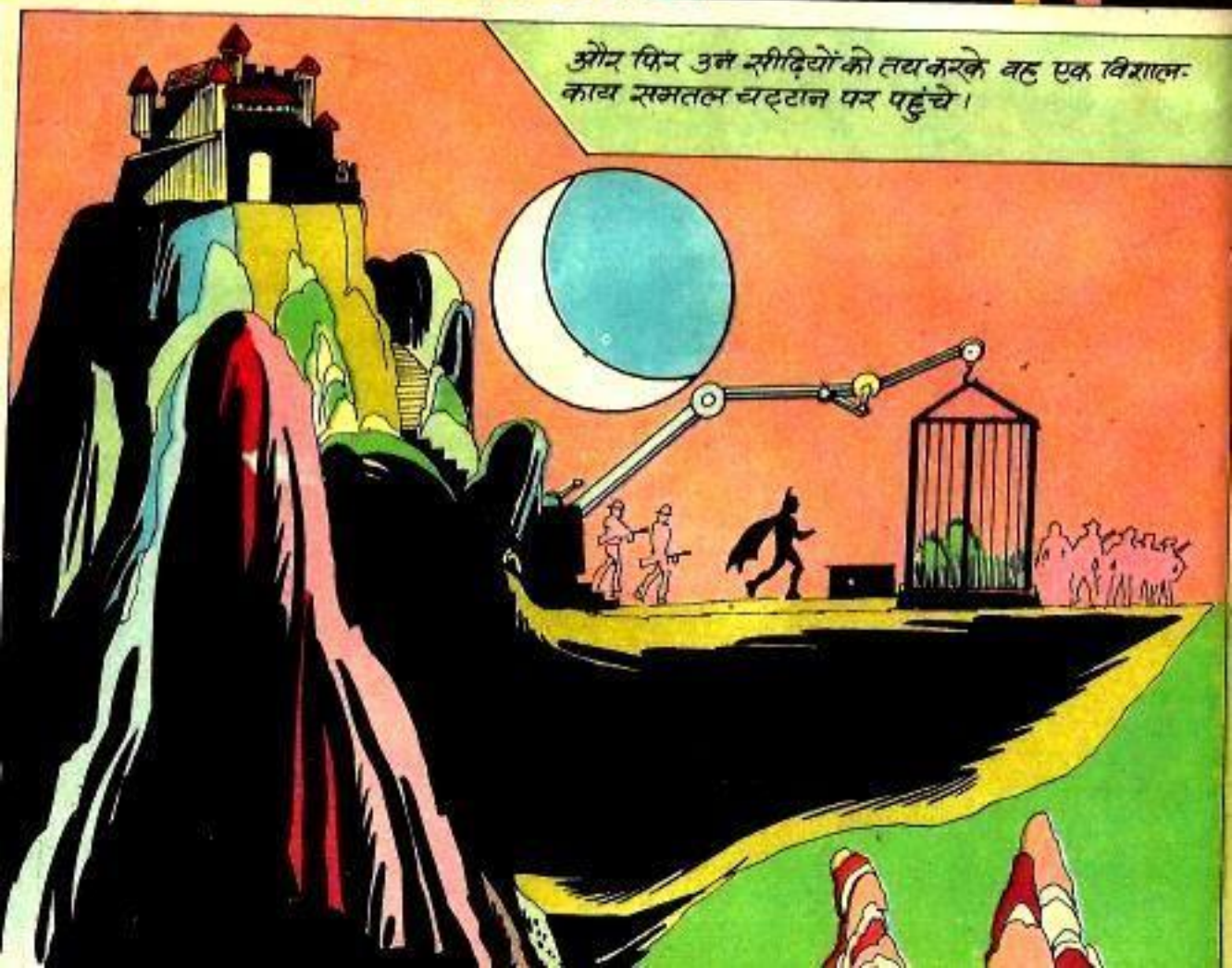

यह चट्टान पत्थर के ढलान की समाप्ति पर थी. इसके बाद पहाड़ बिल्कुल ९० के कोण पर धरातल तक, बिल्कुल सीधा खड़ा था- इस चट्टान पर पहले से ही दर्जन भर सशस्त्र गार्ड-- और चार अधेड़ अवस्था के आदमी मौजूद थे- चट्टान के आखरी सिरे पर एक पिंजरा रखा था- जिसमें एक दैत्य जैसी मानवाकृति लेटी हुई थी।
डेविल कैसा है डाक्टर एक्स कोर?
बहुत अच्छी हालत में है स्वामी!

ठीक है डाक्टर एक्स कोर... आपरेटर डेविल शुरू करो-
डेविल को रोशनी से नहला दो!

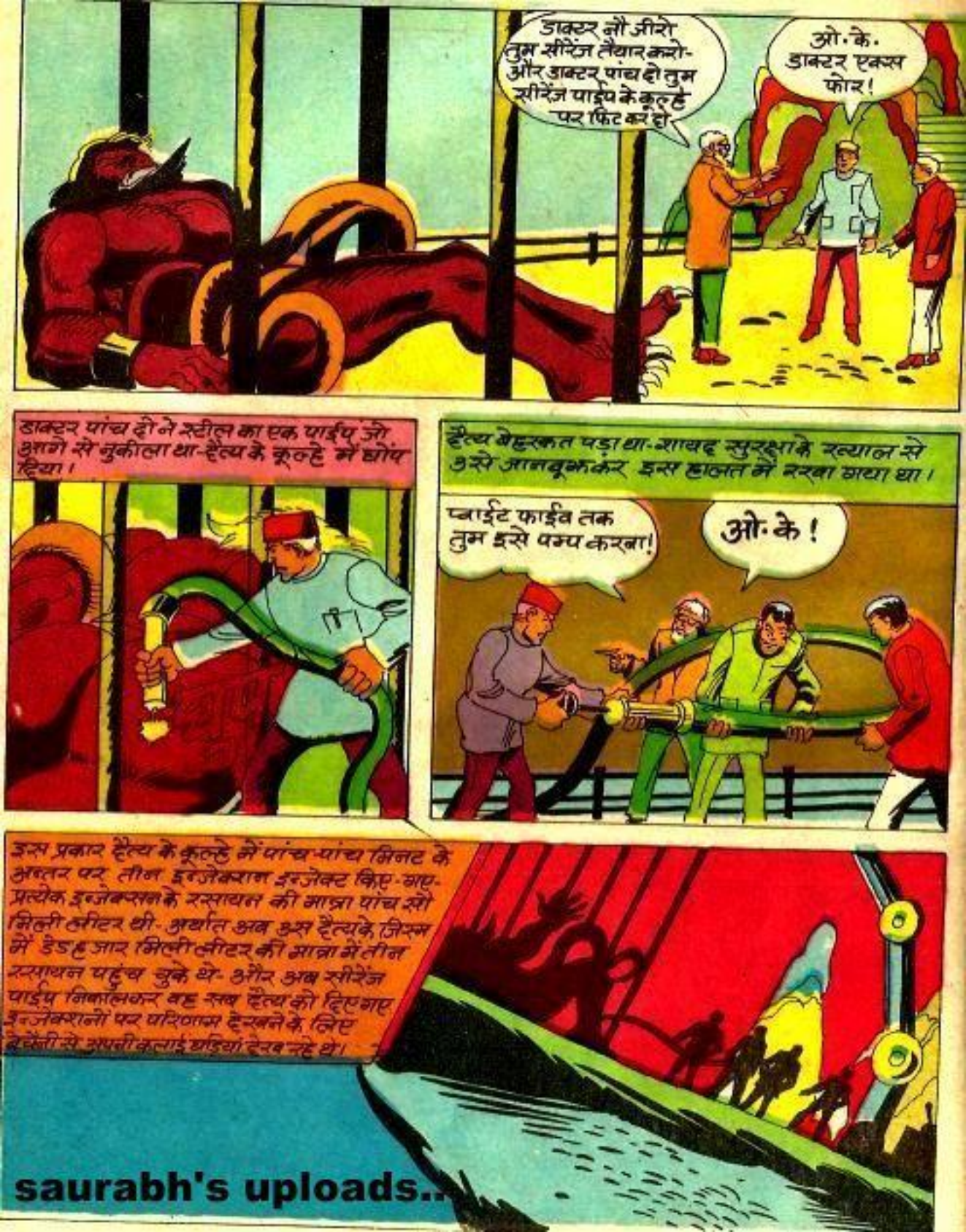

saurabh's uploads..

और जैसे ही रात मिनट बीते सबसे पहले दैत्य के पेट से निकली मूंड जैसी भुजाओं में हरकत हुई।
नम्बर दस-पांच-एक तैयार रहो!
मैं तैयार हूं स्वामी!

अगले एक मिनट में दैत्य उछलकर खड़ा हो गया और अपने सामने खड़े इन्सानों को देखते-भीषणरूप से दहाड़ रहा। साथ ही पिंजरे के बाहर खड़े इन्सानों की ओर उसके पेट से निकली भुजाएं लपकीं- लेकिन वह सब उन भुजाओं की सीमा से बाहर थे।
वाह! डेविल वाह!
स्वामी! आपरेटर डेविल सौ प्रतिशत सफल रहा!

लेकिन जैसे ही दैत्य को अहसास हुआ कि सामने खड़े इन्सान उसकी सूंड जैसी बाहों की सीमा से बाहर हैं- तो उसने अपने कन्धों से जुड़े हाथों को पिंजरे की मोटी सलाखों पर रखा और...
स्वामी पिंजरा गिराने का आदेश दीजिए वरना...
ओह! नम्बर-दस-पांच-एक लीवर दबा दो फौरन!
और अगर लीवर दबने में एक क्षण की देरी और हो गयी होती तो दैत्य का पैर पिंजरे से बाहर धरातल पर टिक चुका होता- फिर वह खुद को पिंजरे के साथ गिरने से बचा लेता- और अगर ऐसा हो जाता तो इनका यह खौफनाक आविष्कार डेविल- इन सबको एक साथ अपनी हाथी की सूंड जैसी भुजाओं में जकड़ लेता।
चीं चीं
गड़ गड़ गड़
शाबाश! नम्बर दस, पांच-एक!

और अब वह फौलादी पिंजरा तेजी से हजारों फुट का वह फासला तय कर रहा था- और अब वह फौलादी पिंजरा और पिंजरे में मौजूद डेविल अपने शिकारों को अपनी आंखों से ओझल हो गया देखते बुरी तरह दहाड़ता हुआ चट्टान और धरातल के बीच में हजारों फुट के फासले को तेजी से तय करता जा रहा था।

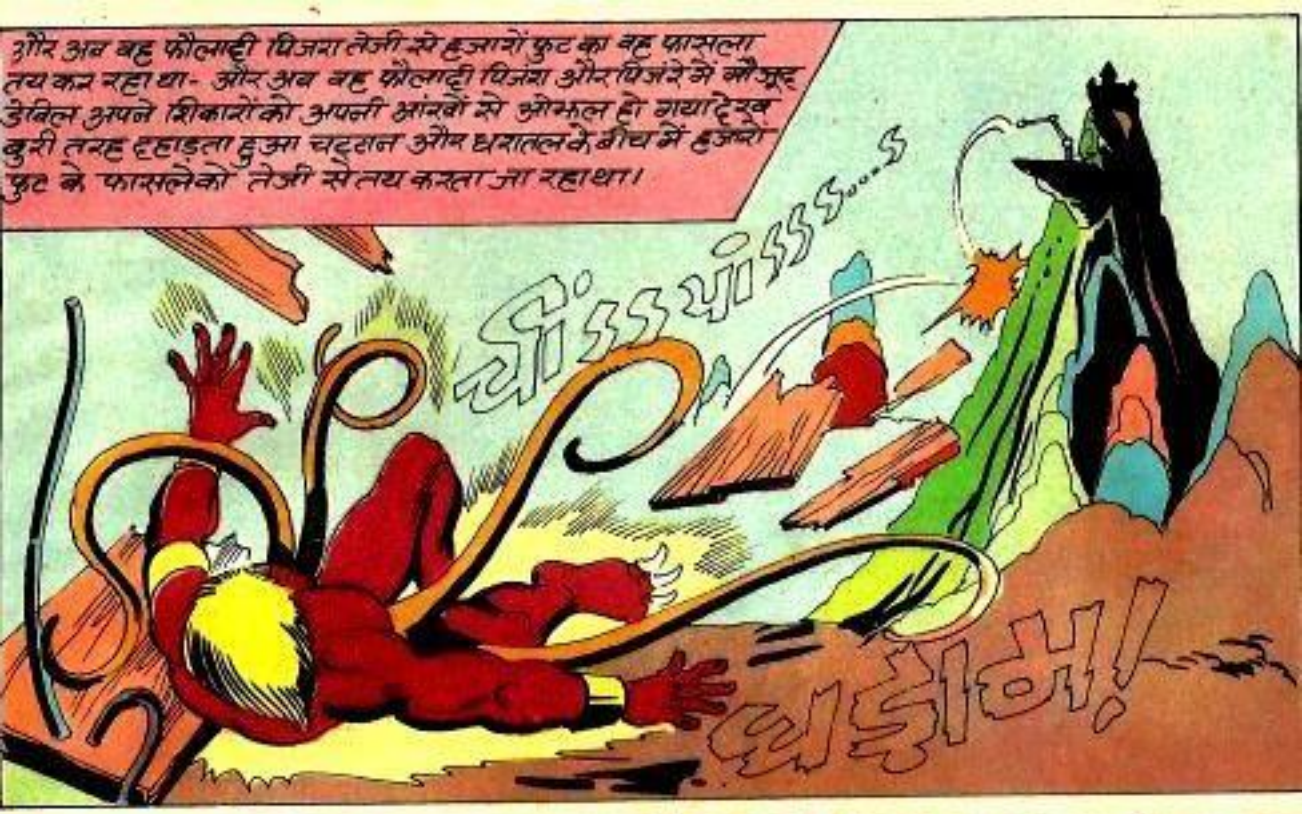

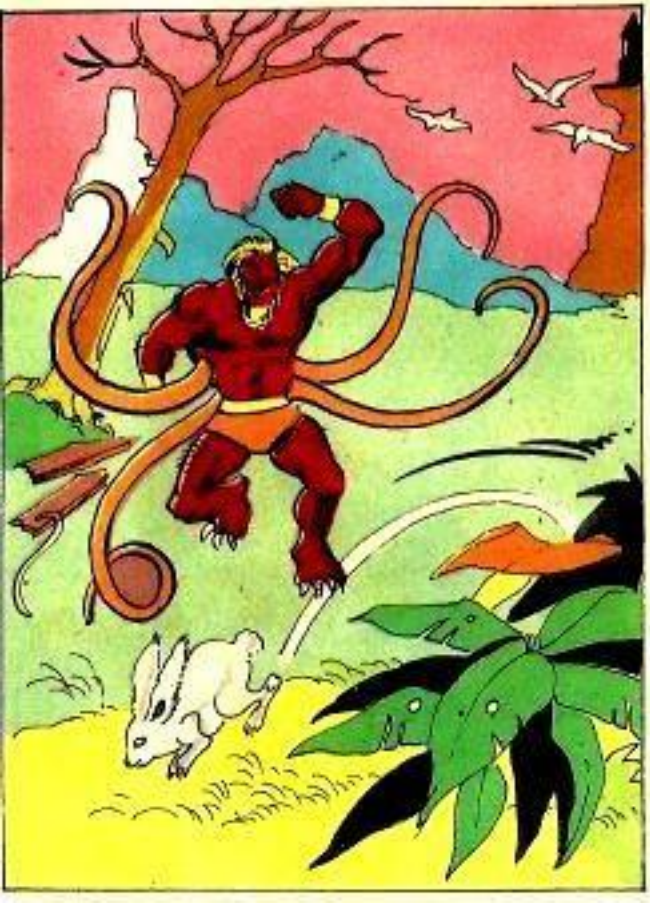

इतनी ऊंचाई से गिरकर चट्टान भी चकनाचूर हो जाती- लेकिन डेविल के इस्पाती जिस्म पर इसका कोई प्रभाव न पड़ा था- जमीन पर गिरते ही पिंजरा टूट कर बिखर गया था- और डेविल उछलकर खड़ा हो गया।

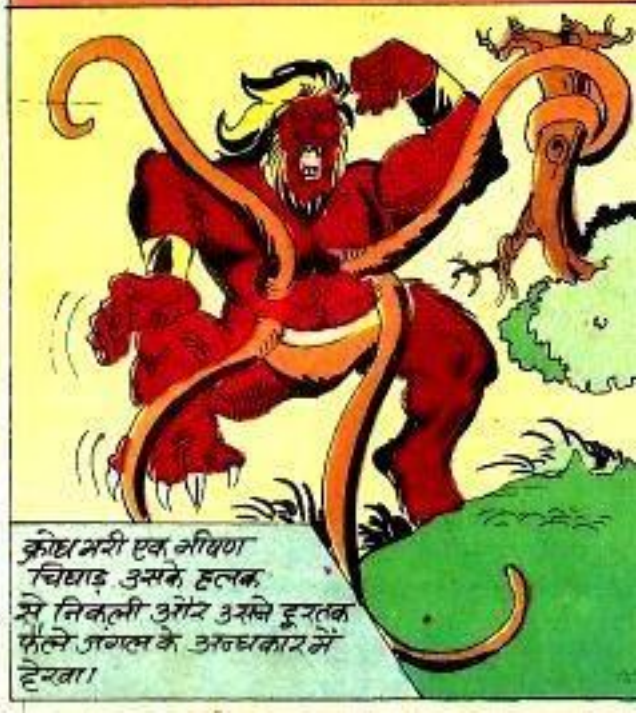

क्रोध भरी एक भीषण चिंघाड़ उसके हलक से निकली और उसने दूरतक फैले जंगल के अन्धकार में देखा।

और अब सिवाय सामने नजर आ रहे जंगल में घुसने के अन्य कोई रास्ता नहीं था- जिसे डेविल अपने लिए चुनता- यूं भी शायद डेविल शायद यह बात समझता था कि उसे शिकार जंगल में ही मिल सकता है।
गर्र गर्र...
पास ही एक भूखा शेर था- जिसने डेविल के भीषण गर्जन का जवाब दिया।
डेविल ने भी तुरन्त एक गर्जन किया- जो उसकी ओर से शेर की दहाड़ का जवाब था- डेविल खुश था कि उसे शिकार की तलाश में अधिक नहीं भटकना पड़ा...
... जबकि शेर परेशान था- क्योंकि ऐसी आवाज़ वह पहली बार सुन रहा था- शेर भला यह सहन कहां करता कि उसके क्षेत्र में कोई अजनबी घुस आए- फलस्वरूप वह फलांगों में ही शेर डेविल के सामने पहुंच गया।
saurabh sharma..

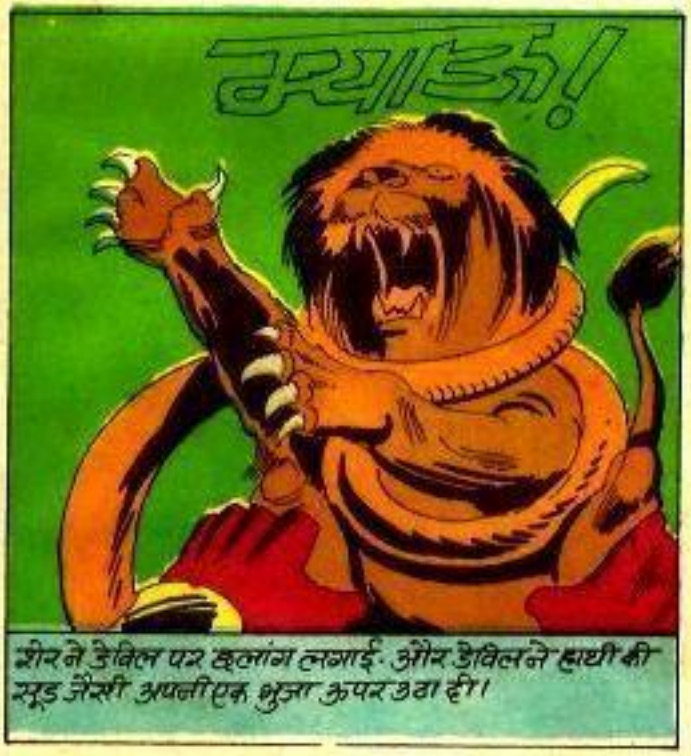

शेर ने डेविल पर छलांग लगाई· और डेविल ने हाथी की सूंड जैसी अपनी एक भुजा ऊपर उठा दी।

और अब डेविल की भुजाओं से मुक्ति पाना शेर के लिए सम्भव नहीं था· जबकि शिकार को पाकर डेविल खुश था।

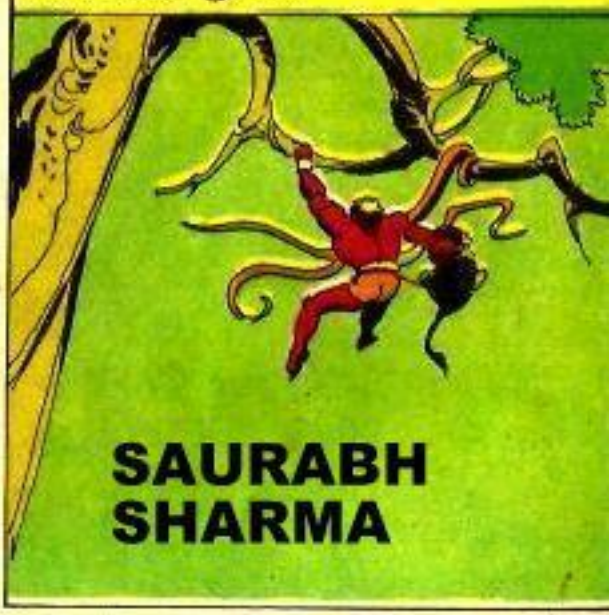

SAURABH SHARMA

और अब डेविल अपने शिकंजे में फंसे शिकार को बड़े इत्मीनान से चीर फाड़ करके उसे अपने उदर में उतार रहा था।

लेकिन शेर का समूचा जिस्म उदर में उतार लेने के बावजूद उसकी भूख अभी बाकी थी· लेकिन अब उसका क्रोध और उत्तेजना समाप्त हो गई· वह इत्मीनान से अपने भोजन की तलाश में यहां रहता था।

अगले दो दिन तक जंगल के प्राणियों में आतंक फैलाता, पेड़ों पर वनमानुष की तरह झूलता...
... डेविल अब कोसिका के बीहड़ों की सीमा में प्रविष्ट हो चुका था। बीहड़ के शक्तिशाली जानवर सहज ही उसका भोजन बन जाते।
फिर उसने कोसी नदी पार की।
और इसबीच क्रिस्टलों के किले में बैठे लोग उस पर बराबर नजर रखे हुए थे।
स्वामी! डेविल महाबली शाका के प्रदेश में प्रविष्ट हो चुका है!
ठीक है, उस पर नजर रखो!
स्क्रीन पर डेविल को देखने का कारण यह यंत्र था, जो डेविल की जांघ में आपरेशन करके फिट किया गया था।

और अब डेविल कोसिमा के बीहड़ों के रक्षकों की निगाहों में भी आ चुका था- और जो आंखें उसे देख रही थीं- वह आश्चर्य से फैल गई थीं।

ओह! यह क्या? शैतान?

हमला करो, वह हमारे गावों की ओर आ रहा है।

और फिर डेविल पर तीरों की वर्षा होने लगी- लेकिन डेविल के इस्पात जैसे कठोर जिस्म से टकराकर तीरों की फौलादी नोक मुड़ जाती थी।

टन!

टन!

अचानक एक हमलावर डेविल की निगाहों में आ गया।

और उबिल का यह पहला शिकार था जो जानवर नहीं एक इन्सान था।
आह!
भागो... वह हम सबको भी खा जाएगा!
शीघ्र ही...
स-सूचना भेजो बीहड़ में पिशाच आ गया है...
हा-ह... वह जोकू को खा रहा है!

महाबली शाका बीहड़ में शैतान... मदद करो देवता पुत्र... मदद करो
ढम!
ढम!
ढम!

क्रिस्टलों के किले में...
स्वामी- जंगली अब नगाड़े बजा रहे हैं- डेविल अब तक चार जंगलियों को खा चुका है!
हा-हा-हा-आपरेटर डेविल कामयानी के रास्ते पर बढ़ रहा है- और वह जंगली नगाड़े बजाकर अपने देवता पुत्र (महाबली शाका) को बुला रहे हैं- जो डेविल का असली और आखरी...

... शिकार होगा- जिस क्षण डेविल शाका को फाड़ कर खा रहा होगा- हमारा आपरेशन डेविल समाप्त हो जाएगा... उसके बाद शुरू होगा आपरेशन क्रिस्टल लैण्ड हा-हा-हा!!!
आपरेशन क्रिस्टल लैण्ड
आँपरेशन क्रिस्टल लैण्ड अर्थात सदियों पहले समाप्त हो चुके क्रिस्टलों का उदय- महाबली शाका के मरते ही इस खण्डहर किले का नवनिर्माण होगा और कोसिमा के बीहड़ों पर क्रिस्टलों का राज होगा!

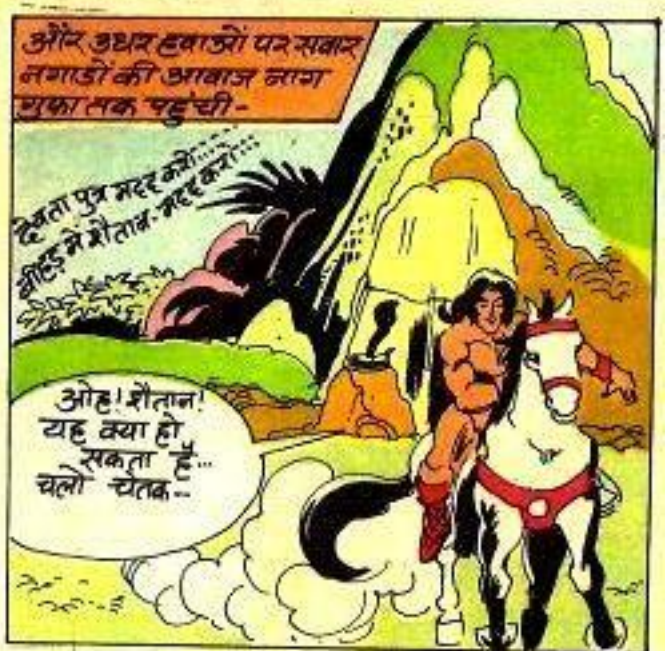
और उधर हवाओं पर सवार नगाड़ों की आवाज नाग गुफा तक पहुंची-
देवता पुत्र मदद करो... बीहड़ में शैतान- मदद करो...
ओह! शैतान! यह क्या हो सकता है... चलो चेतक...

इस बीच डेविल डेकोडा गांव में पहुंच गया था और...
ईSSS मेरा बच्चाSS बचाओSSS
बचाओ... भागो.... भागो...
धड़ाम!
तभी...
ओह! लगता है मुसीबत भारी-भरकम है-वरना डेकोडा गांव के मौत से जूझने वाले यह नौजवान मुसीबत...
...का मुकाबला कर रहे होते!
देवता पुत्र हमें बचाओSSS
आ-हा- महाबली शाका आ पहुंचा!
नाग पुत्र आ गया!
सरदार ने डेविल के जिस्म पर अस्त्रों-शस्त्रों को कुन्द होते देखा-तो हारकर वह चीख उठा।
भागोSSS अपनी जान बचाओSSS

आतंकित लोगों की इन करुण फरियादों ने महाबली शाका के फौलादी सीने को झुलसा कर दिया। उसकी रगों में बहता खून एकाएक ज्वालामुखी के लावे की तरह उबलने लगा और अगले ही क्षण उसके कण्ठ से एक भीषण गर्जना फूट पड़ी। जिससे जंगल थर्रा उठा।
गुर्रsss
और भीषण गर्जना करते हुए ही उसने अपने तूफानी घोड़े चेतक को इशारा किया। तो उसका वह तूफानी घोड़ा तूफानी फर्राटा लगाता हुआ गांव की लगभग दस फिट ऊंची बाड़ फलांग गया।
ओह! यह कैसी मुसीबत है- और यह आ कहां से गयी?
आऽऽह

महाबली शाका ने डेविल के शिकंजे में फंसे प्राणियों को बचाने के लिए चेतक को आगे बढ़ने का इशारा किया- और फिर-

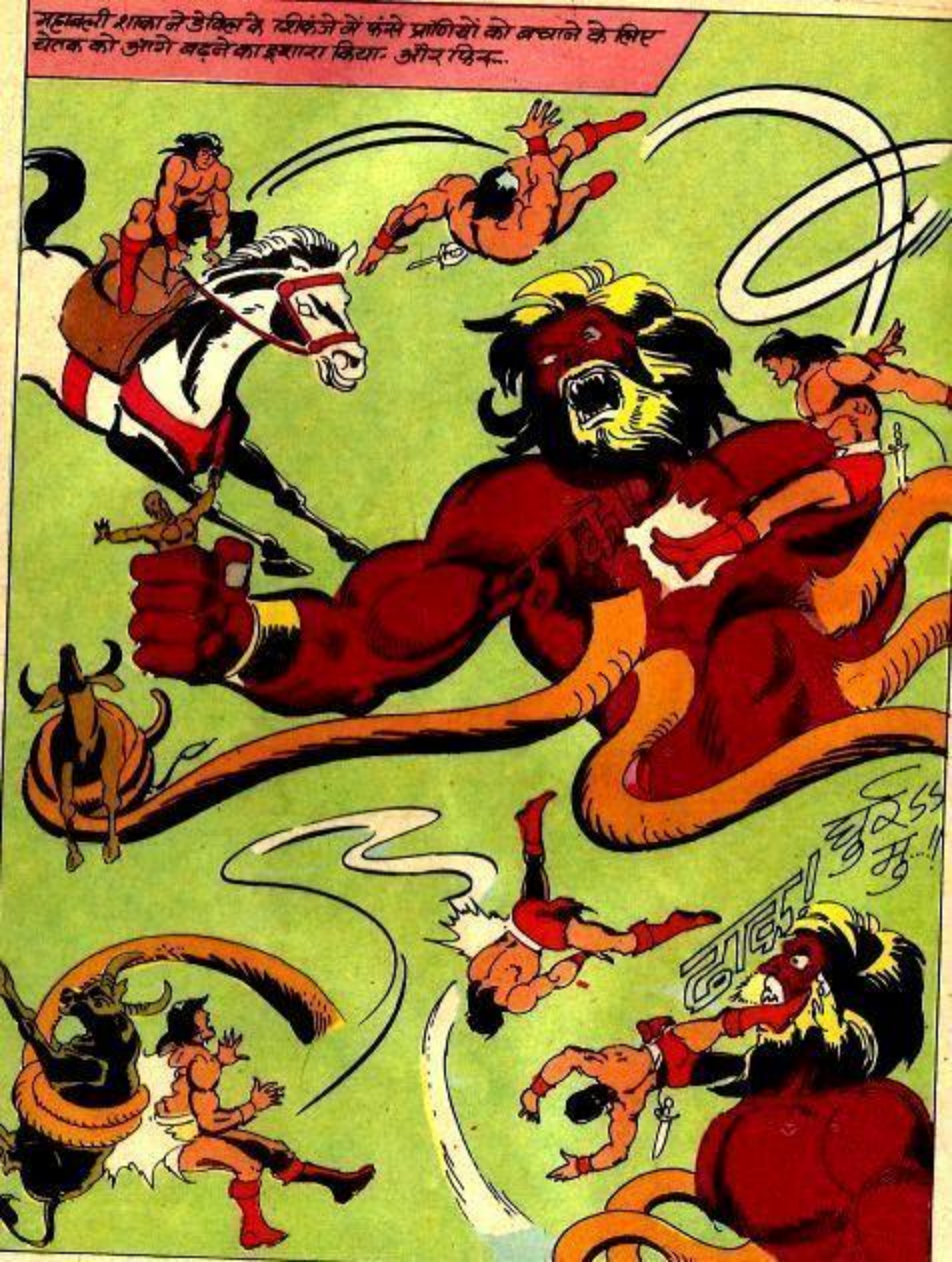

डेविल को मामूली सा विचलित हुआ देख महाबली शाका ने अत्यन्त फुर्ती का प्रदर्शन किया... चुस्ती-फुर्ती का ऐसा शानदार प्रदर्शन महाबली शाका के अतिरिक्त और कौन कर सकता भला!
झपट!
चींऽऽऽ चींऽऽऽऽऽ
ओह! इस बेजुबान को भी क्यों मरने दिया जाए... जबकि मैं इसे बचा सकता हूं!
नहीं... बचाओ...
महाबली बचाओ...
और अब डेविल को एहसास हुआ कि उसके इस शिकार ने उसके शिकंजे में फंसे दो शिकारों को छीन लिया है- तो उसने अपने शिकंजे में फंसे तीसरे प्राणी को फेंक मारा- ताकि उसका यह फुर्तीला दुश्मन उसके नीचे दब जाए लेकिन...

आओ भाग आओ...
और तुम दोनों भी
समझ कुछ... यहां
खतरा है!
चीं... चींऽऽऽऽ चीं
ल... लेकिन तुम!
ओह नहीं! भला उसे
क्या खतरा हो सकता
है - व... वह तो
देवता पुत्र है।
अ... ह... हा...
यह क्या...
धोखे से हमला...
...खैर कोई
फर्क नहीं पड़ता...
मान लिया कि तुम
अपनी इन बेशुमार ताकत
रखने वाली बाजुओं से इस शान्त
जंगल में अशान्ति फैला सकते
हो - खूब मनमानी कर सकते हो -
लेकिन मेरे रहते ऐसा सम्भव
नहीं है...

... क्योंकि मेरे पास तुम जैसों से निबटने के बेशुमार तरीके हैं!...
... बहुत फुर्तीले हो यह भी मान गया!
धड़ाक!
धड़ाक!

ठाक
चीऽऽऽ
ठाक
ठाक
ठाक!
ठाक!

और अपने दुश्मन के घातक हमलों की चोटों से पीड़ित उबिल भला यह अवसर कहाँ चूकने वाला था।
उबिल को इस बार अपने शिकार को ठीक ढंग से जकड़ने का भरपूर अवसर मिल गया था- फलस्वरूप महाबली शाका की दोनों टांगों के बीच का फासला बढ़ने लगा।
लेकिन भाग्य अभी महाबली शाका का साथ देना चाहता था अर्थात महाबली शाका के पास एक अवसर और था- हाथ से छूटकर गिरा लोहे की सलाख को महाबली शाका की उंगलियां छू तो नहीं पा रही थी पर अभी मामूली सी कसर बाकी थी- और इस मामूली सी कसर को पूरी करने के लिए शाका ने अपने कण्ठ से भीषण गर्जन किया।

और डेविल की इस पहली चीख को इस भीषण युद्ध का परिचायक माना जा सकता था।
गाऽऽऽऽ ग!
लेकिन भयंकर पीड़ा को झेलते हुए भी डेविल दुश्मन के इस घातक हमले का जवाब देना न भूला. उसने सम्पूर्ण शक्ति से महाबली शाका को फेंका...
लेकिन फिर उसे महाबली शाका ही कौन कहे जो ऐसे नाज़ुक वक्त पर आश्चर्य जनक करतब न दिखा सके।

SAURABH SHARMA

...और सत-प्रतिरूप निरर्थक ही साबित हुआ।
आखिर एक हिंसक जानवर ही तो थे तुम... और जानवर कभी मनुष्य से जीत नहीं पाए!
लेकिन जंगल में हो रहे इस भीषण संग्राम का सीधा प्रसारण अपने कन्ट्रोल रूम की स्क्रीन पर देख रहे थे 'विस्की' आपरेटरों को मानो अब भी विश्वास नहीं हो रहा था कि उनका वह 'डेविल' मर चुका है- जिस पर उनके पूरे आपरेशन की सफलता निर्भर थी।
सुना था कि वह बेहद चालाक- महाशक्तिशाली- लेकिन वह इतना चालाक और इतना शक्तिशाली होगा- इसकी तो कल्पना ही नहीं की गयी थी!
अब स्वामी को कौन सूचना देगा?
तुम!
म... मैं?! नहीं मैं नहीं!
ओफ... म... मैं...
नम्बर दो पांच एक तुम इस कन्ट्रोल रूम के इन्चार्ज हो- यह काम तुम्हारा है- और इसे तुम ही करोगे- और मेरा ख्याल है तुम पहले ही देर कर चुके हो- अब और देर करोगे तो शायद स्वामी तुम्हारे लिए कोई भयानक सजा चुन लें!

SAURABH SHARMA

और मैं पहला वह इन्सान हूं जो इस ढोंगी का फेस मास्क अपने हाथों से उतारेगा- मैं क्रिस्टल वंश का वह क्रिस्टल हूं जो अपने वंश का सर्वनाश का प्रतिशोध लूंगा- और अपने महान क्रिस्टल वंश के खोये सम्मान को वापिस हासिल करूंगा...
मैं क्रिस्टल वंश की पुनः स्थापना करूंगा- और भविष्य में मेरे द्वारा जो क्रिस्टल धरती पर आएंगे उनकी आंखें अपने उस विशाल साम्राज्य में खुलेंगी जिसमें सूरज कभी अस्त न होगा!

आपरेटर परेशान हो उठा था- अट्टहास लगाने के बाद उसका स्वामी खामोश क्यों हो गया- और अगर उसे स्वामी का चेहरा भी दिख रहा होता तो वह और अधिक परेशान हो उठता- चूंकि तब उसे अपने स्वामी के चेहरे पर तरह-तरह के भाव बनते बिगड़ते नजर आते!

म... मेरे लिए क्या हुक्म है स्वामी?

अ...ह... हां... तुम प्रतीक्षा करो!

शुक्र है...! बला टली!

जो हुक्म स्वामी!

आश्चर्य है- स्वामी ने डेविल की मौत पर अट्टहास लगाया- जबकि डेविल की मौत उसकी पराजय है!

इसका मतलब हुआ अब जवाबी कार्रवाई होगी- अर्थात डेविल की मौत का प्रतिशोध लिया जाएगा!

इस बीच जंगल में...
नागपुत्र जीत गया!
देवता पुत्र ने शैतान को मार गिराया!
चार सूड़ो वाला पिशाच मानव महाबली शाका के हाथों मारा गया!
और फिर जंगल में...
देवता पुत्र!
अमर रहे!
शैतान!
शैतान का मारा जाना हमारी जीत नहीं है- हमारी जीत तब होगी जब हम यह पता लगा लेंगे कि उसे भेजा किसने था- या वह आया कहां से था?
ओ नाग पुत्र... शैतान पाताललोक में से आते हैं- क्या तुम अब पाताल में जाओगे?
यह अनपढ़ और अन्धविश्वासी लोग हैं...
इन्हें नहीं समझाया जा सकता कि पाताललोक कहीं नहीं है यह लोग तो उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते- कि यह शैतान प्राकृतिक देन नहीं बल्कि किसी शैतानी दिमाग की देन है।

आज जो विनाश यहां हुआ है- कल वह किसी दूसरे स्थान पर भी हो सकता है- इस दैत्य का निर्माता पूरी मानव जाति का दुश्मन है।
इन वृक्षों को निश्चय ही उस विनाशकारी दैत्य ने गिराया है- इसका मतलब वह यहां से गुजरा था-
और यह कुचली हुई झाड़ियां दैत्य जिस दिशा से और जिस मार्ग से डेकोडा गांव पहुंचा था- वह मार्ग यही है- यह कुचली हुई झाड़ियां जमीन पर उस विनाशकारी दैत्य के गहरे चार पैरों के निशान गहरे-
और स्पष्ट बनते गए हैं।
और वह शिकार भी उसी दैत्य की क्रूरता की दास्तान सुना रहा है।
शाका तेजी से उसी रास्ते से बढ़ता जा रहा था जहां-जहां से दैत्य गुजरा था- जल्दी ही...
किनारे की गीली जमीन पर दैत्य ने अपने पैरों की छाप बिल्कुल स्पष्ट छोड़ी है- इसका मतलब वह नदी के पार से आया था।
अरे! देखो! कौन आया है हमारे क्षेत्र में?
देवता पुत्र!
अ-हां... हम कितने भाग्यशाली हैं।

मैं चेतक को यहां छोड़कर नदी पार जा रहा हूं- तुम देखना इसे कोई परेशान न करे!
किसकी मजाल है जो इसे छू भी जाए!
तू बेफिक्र होकर जा नागपुत्र... हम अपनी जान देकर भी तेरे अश्व की रक्षा करेंगे!
फिर सारा दिन वह शिकारी चेतक की निगरानी करते रहे- रात होने पर चेतक एक पेड़ के जड़ में आकर खड़ा हो गया तो- वह शिकारी बारी-बारी से पहरा देने लगे- ताकि बारी-बारी से वह आराम भी कर सकें।
मध्य रात्रि के समय चेतक ने एक चीते की गन्ध बहुत निकट से महसूस की- और उसने तुरन्त शिकारियों को सावधान किया।
अरे!
क...क्या हुआ?
यह क्या?
हिन्न! हिन्न! हिन्न!
शायद किसी जानवर की गन्ध पाकर भयभीत हो गया है!

बचाओ!!
मैं चेतक की रक्षा...
...करता हूं! तुम गोकू को उस शैतान से बचाओ!
यह कहां से आ मरा!
गुर्र!
और इससे पहले कि वह तीनों अपने साथी अथवा चेतक की रक्षा के लिए कुछ कर पाते, अचानक एक ऐसी घटना घटी जिसने उन्हें पत्थर की मूर्ति बना दिया।
ओह! चेतक!
क... क्या?! यह शेर पर झपट रहा है!?
ऐसी कल्पना शेर ने भी नहीं की थी।
और अपना भोजन छिन जाने पर क्रोधित हो उठे चीते ने चेतक पर छलांग लगा दी।
दहाड़!
हिन हिन!
लेकिन चेतक ने एक कदम भी पीछे हटने की कोशिश नहीं की वह चीते का मुकाबला करने के लिए तत्पर नजर आ रहा था।
उफ! हे ईश्वर!
म... मुझे चेतक ने बचा लिया... लेकिन अब चेतक खतरे में है!
इसकी निडरता तो देखो!
ह... हमें कुछ करना चाहिए!

SAURABH'S UPLOADS...

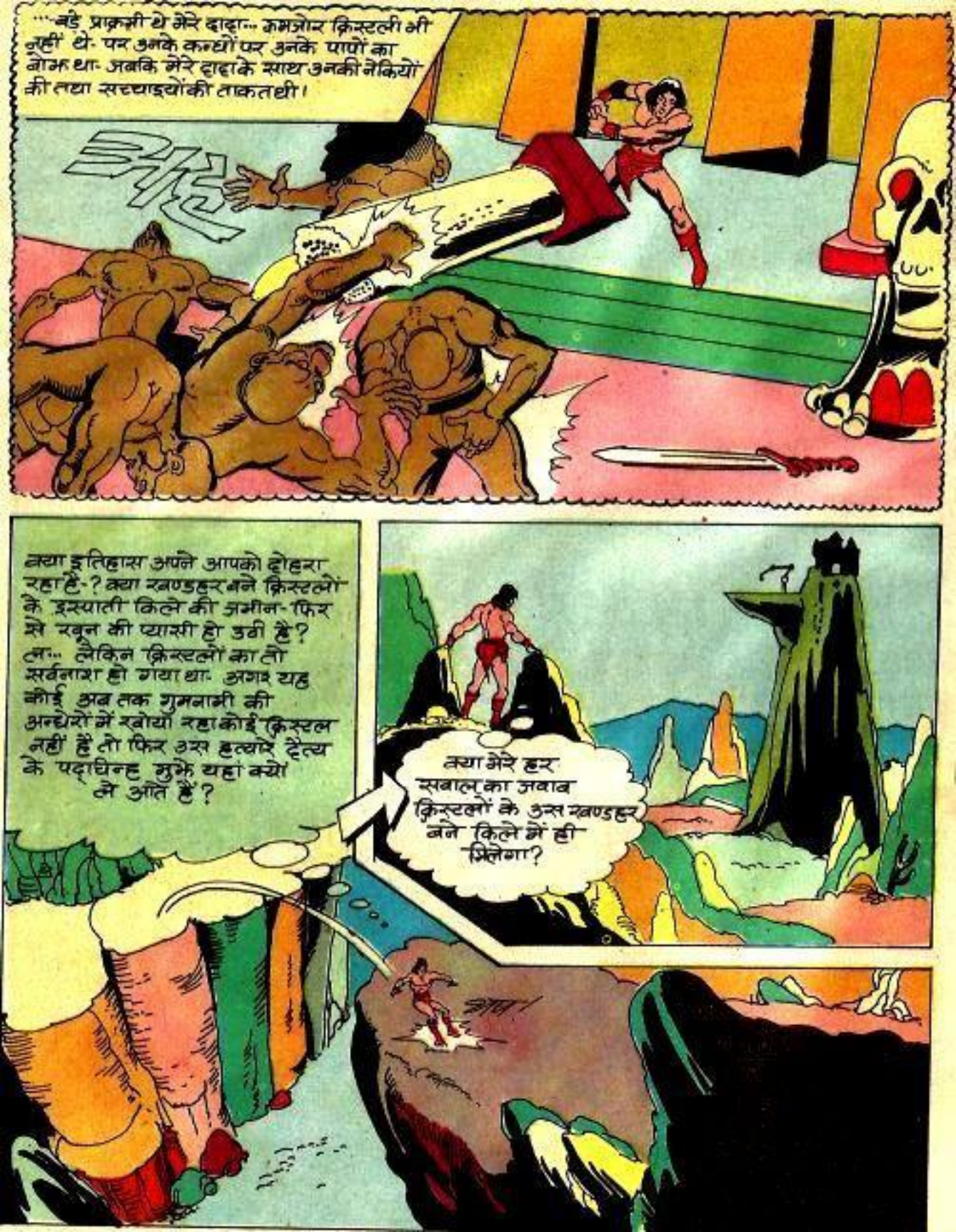

...बड़े पराक्रमी थे मेरे दादा... कमज़ोर क्रिस्टली भी नहीं थे- पर उनके कन्धों पर उनके पापों का बोझ था- जबकि मेरे दादा के साथ उनकी नेकियों की तथा सच्चाइयों की ताकत थी।
क्या इतिहास अपने आपको दोहरा रहा है-? क्या खण्डहर बने क्रिस्टलों के इस्पाती किले की ज़मीन- फिर से खून की प्यासी हो उठी है? न... लेकिन क्रिस्टलों का तो सर्वनाश हो गया था- अगर यह कोई अब तक गुमनामी की अन्धेरों में खोया रहा कोई क्रिस्टल नहीं है तो फिर उस हत्यारे दैत्य के पदचिन्ह मुझे यहां क्यों ले आते हैं?
क्या मेरे हर सवाल का जवाब क्रिस्टलों के उस खण्डहर बने किले में ही मिलेगा?

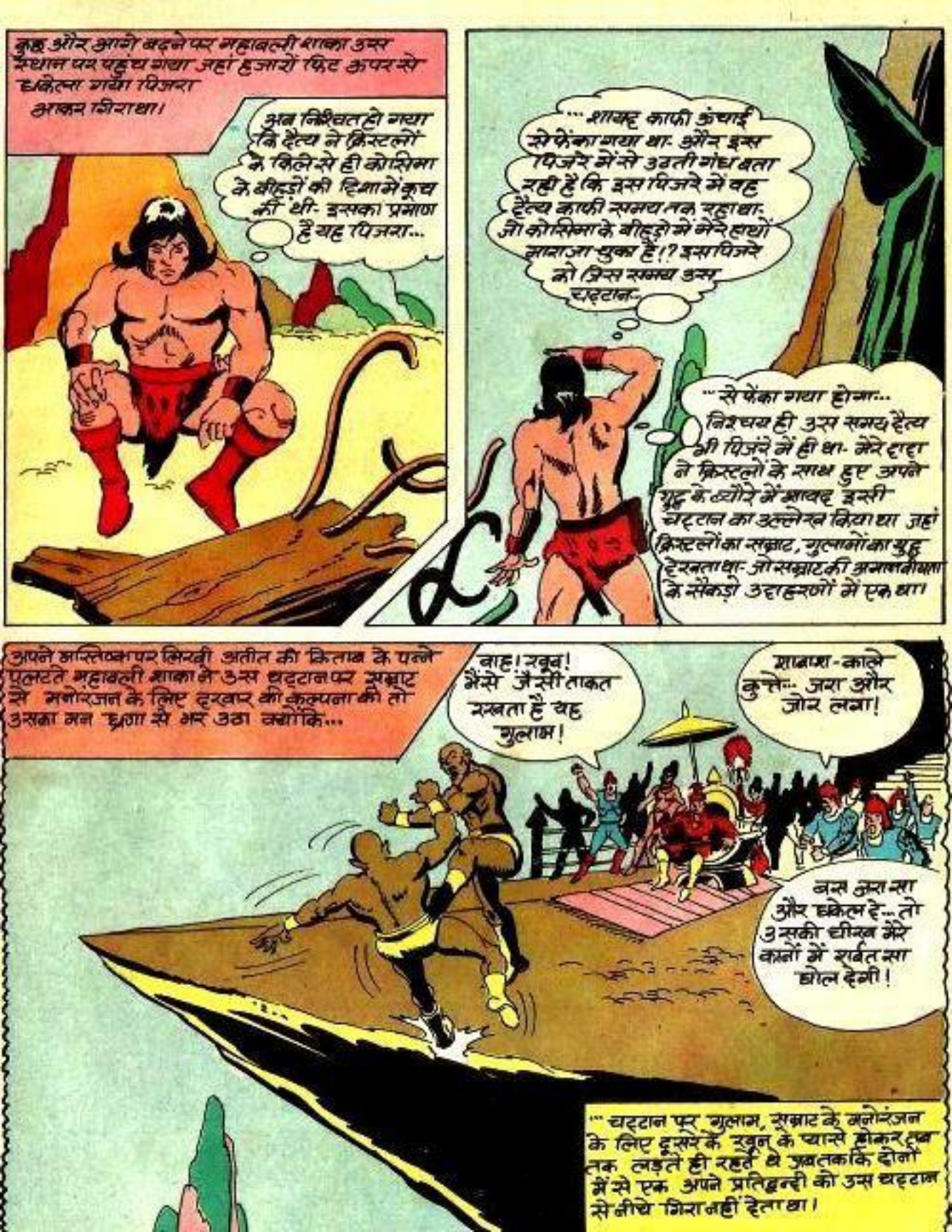

कुछ और आगे बढ़ने पर महाबली शाका उस स्थान पर पहुंच गया जहां हजारों फिट ऊपर से धकेला गया पिंजरा आकर गिरा था।
अब निश्चित हो गया कि दैत्य ने क्रिस्टलों के किले से ही कोसिमा के बीहड़ों की दिशा में कूच की थी- इसका प्रमाण है यह पिंजरा...
...शायद काफी ऊंचाई से फेंका गया था- और इस पिंजरे में से उठती गंध बता रही है कि इस पिंजरे में वह दैत्य काफी समय तक रहा था- जो कोसिमा के बीहड़ों में मेरे हाथों मारा जा चुका है!? इस पिंजरे को जिस समय उस चट्टान...
...से फेंका गया होगा... निश्चय ही उस समय दैत्य भी पिंजरे में ही था- मेरे दादा ने क्रिस्टलों के साथ हुए अपने युद्ध के ब्यौरे में शायद इसी चट्टान का उल्लेख किया था जहां क्रिस्टलों का सम्राट, गुलामों का युद्ध देखता था- जो सम्राट की अमानवीयता के सैकड़ों उदाहरणों में एक था।
अपने मस्तिष्क पर लिखी अतीत की किताब के पन्ने पुलटते महाबली शाका ने उस चट्टान पर सम्राट से मनोरंजन के लिए दरबार की कल्पना की तो उसका मन घृणा से भर उठा क्योंकि...
वाह! खूब! भैंसे जैसी ताकत रखता है यह गुलाम!
शाबाश-काले कुत्ते... जरा और जोर लगा!
बस जरा सा और धकेल दे... तो उसकी चीख मेरे कानों में शर्बत सा घोल देगी!
...चट्टान पर गुलाम, सम्राट के मनोरंजन के लिए दूसरे के खून के प्यासे होकर तब तक लड़ते ही रहते थे जबतक कि दोनों में से एक अपने प्रतिद्वन्द्वी को उस चट्टान से नीचे गिरा नहीं देता था।

हा हा हा!!
अ ई ई ई!!!
लेकिन अतीत के अमानवीय कृत्यों की कल्पनाओं में डूबे महाबली शाका को मालूम नहीं था कि वह क्रिस्टलों के खजाने के अन्तिम उत्तराधिकारी के सिपाहियों की निगाहों में आ चुका है।
वाह! कितना साफ निशाना बन रहा है- लेकिन स्वामी का हुक्म है इसे हर हालत में जीवित ही पकड़ा जाए!
लेकिन महाबली शाका की सदा सचेत रहने वाली गुप्त इन्द्रियों ने उसे अतीत के ख्यालों में खोये हुए ही अहसास करा दिया कि वह दर्जनों जोड़े छुपी हुई निगाहों का केन्द्र बन चुका है।
उ...ह...ह...मैं अतीत के ख्यालों में डूबा रहा और कुछ अदृश्य आंखें जिनमें मेरे प्रति दोस्ताना भाव नहीं हैं मुझे देख रही हैं...
ल...लेकिन मैं किसी को नहीं देख पा रहा-? ऐसे हालातों में क्या करना चाहिए मुझे?
SAURABH

यह तो निश्चित है कि मैं वहां पहुंच गया हूं जहां पहुंचने के लिए दैत्य के पदचिन्हों को देखता हुआ आगे बढ़ रहा था।
लेकिन... छुपे हुए अजनबी दुश्मन के बारे में भला कैसे जानकारी एकत्रित की जा सकती है- जबकि छुपा हुआ कोई भी व्यक्ति मेरे सामने ही नहीं आना चाहता।
वह सीढ़ियों वाली घुमावदार सुरंग थी- रोशनी के लिए अनगिनत झरोखे बने हुए थे उसमें... और बीच में दर्जनों अन्य सहायक सुरंगें थीं- जिन्हें अतीत में कारावासों तथा गुलामों को भेड़ बकरियों की तरह रखने के काम में प्रयोग किया जाता था।
मेरा ख्याल है मुझे ऐसा दिखावा करना चाहिए जैसे सचमुच ही मुझे पता नहीं चला कि कोई मुझे देख रहा है- और मुझे वह रास्ता पकड़ना चाहिए जो मुझे पहाड़ के ऊपर- अर्थात फिरस्तों के किले में पहुंचा दे- क्योंकि मैं मुख्य रास्ता ही पकड़ूं
और किले तक पहुंचने का मुख्य मार्ग तलाश करने में उसे अधिक समय न लगा।
दुश्मन चाहता है कि मैं उसके बिछाए जाल में गहराई तक चला जाऊं- ताकि जब वह मुझे फंसाने के लिए फैलाए गए जाल को समेटे तो मैं खुद को पूरी तरह जाल में जकड़ा हुआ ही पाऊं।
saurabh sharma...

और अब मुझ पर इन्डोर-टी-वी कैमरों के माध्यम से नज़र रखी जा रही है- निश्चय ही अति संवेदनशील माइक्रोफोन भी इन कैमरों के साथ अटैच्ड होंगे जो मेरी सांसों की आवाज़ को भी कैच...
...करके खण्डहर किले के किसी पूर्णतया सुव्यवस्थित कक्ष में पहुंचा रहे होंगे- लेकिन क्या दुश्मन सचमुच इतना ही मूर्ख है- जितना मैं उसे समझ रहा हूं- अर्थात क्या दुश्मन को अब तक अहसास... नहीं हुआ होगा...
कि उसके सारे इन्तज़ाम मेरी नज़रों में आ चुके हैं?! मेरा ख्याल है वह भी समझ चुका होगा कि मैं जानबूझ कर स्वयं को उसके बिछाए चक्रव्यूह में फंसता जा रहा हूं। धरातल से लगभग दो हज़ार फिट की ऊंचाई...
पर अब इस सुरंग का अन्त होने जा रहा है- वह दरवाजा मुझे इस सुरंग से बाहर किले के अहाते में पहुंचा देगा।
अचानक...
ओह!
धड़ाम!
वैसी ही एक रुकावट पीछे भी प्रकट हुई...
इसका मतलब यह कि दुश्मन चाहता है कि अब न मैं अपनी इच्छा से...
...आगे बढूं और न ही उसके इस शानदार इन्तज़ाम से घबराकर वापस भाग सकूं।
महाबली शाका... अब तुम्हें अपने बांयी ओर नज़र आ रही सुरंग में बढ़ना है!
रास्ता सुझाने के लिए धन्यवाद!
इस सुरंग में विद्युत प्रकाश की समुचित व्यवस्था थी।
क्या यह सुरंग मुझे मौत के किसी घर में पहुंचाएगी? नहीं यह सब अगर इतनी जल्दी ही होना होता तो भला मुझे यहां तक लाया ही क्यों जाता...

ओह! तो यह अभी मुझे जेल में कैद रखना चाहते हैं- अ... और यह लो- मुझे यहां तक पहुंचाने वाली सुरंग भी बन्द कर दी गयी।
यह तो वही अहाता है- जिसने मुझे मुख्य द्वार तक पहुंचाया था।
अरे, लगता है यह दुश्मन की छावनी है- और यह सब आधुनिक स्वचालित गनों से लैस हैं।
अच्छा- तो यह सब मेरे लिए आए हैं: मुझे यहां से स्थानान्तरित किया जायेगा अब...
चलो!
हां चलिए!

बाहर आते ही शाका का रिवाल्वर और चाकू लीडर ने अपने अधिकार में कर लिया। फिर इस खण्डहर किले के ध्वस्त गलियारों आदि से गुजरती वह सशस्त्र टुकड़ी एक दरवाज़े पर रुकी।
अन्दर जाओ!
जो हुक्म!
दरवाज़ा बन्द! तो यह मेरा नया घर है- दरवाज़ा खिड़की, रोशनदान कुछ भी नहीं- यह सूराख है जिससे ताज़ा हवा आ रही है।
अचानक
अ र र र
आओ... जंगल सम्राट स्वागत है तुम्हारा!

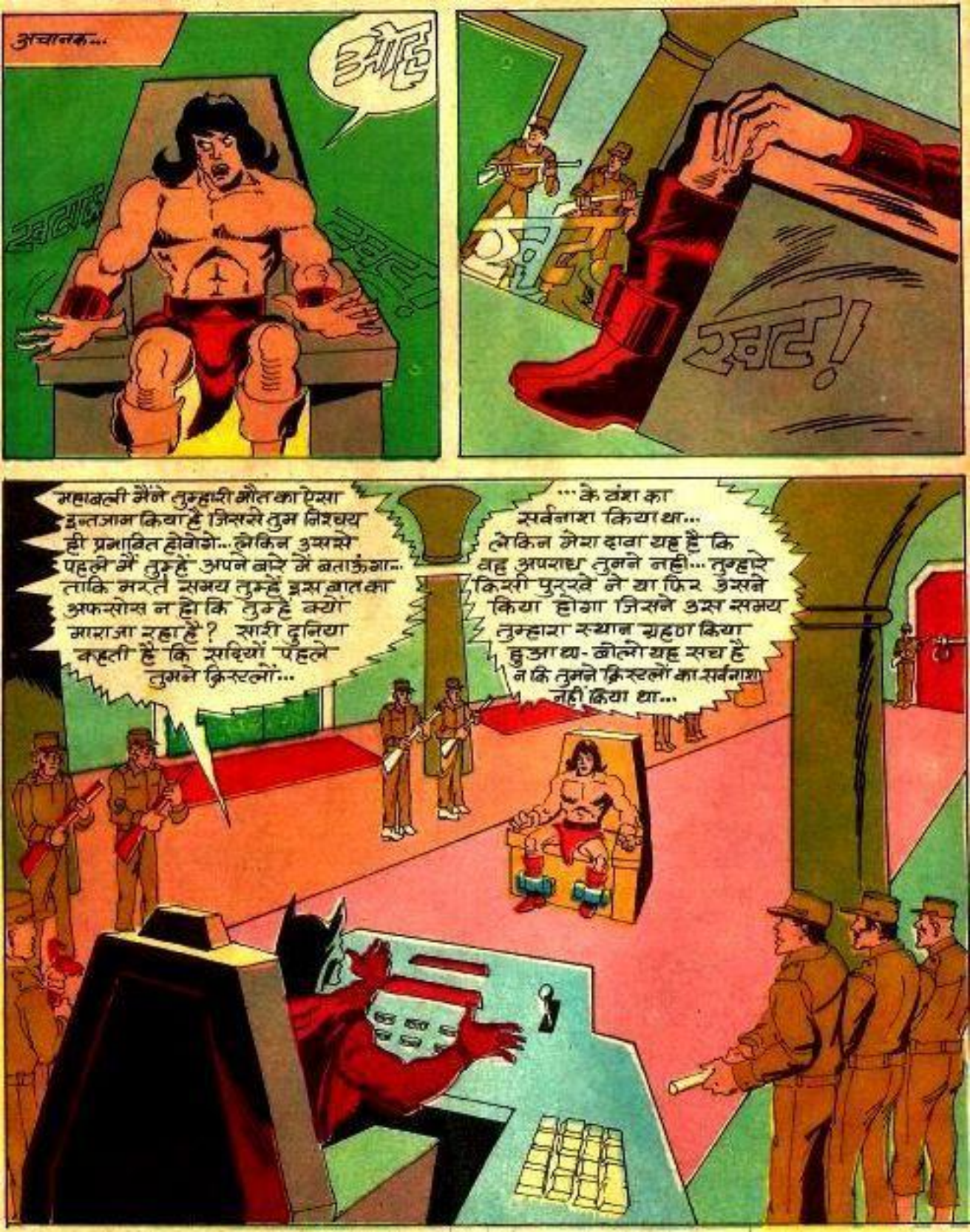

अचानक...
ओह!
खट!
महाबली मैंने तुम्हारी मौत का ऐसा इन्तजाम किया है जिससे तुम निश्चय ही प्रभावित होगे... लेकिन उससे पहले मैं तुम्हें अपने बारे में बताऊंगा... ताकि मरते समय तुम्हें इस बात का अफसोस न हो कि तुम्हें क्यों मारा जा रहा है? सारी दुनिया कहती है कि सदियों पहले तुमने क्रिस्टलों...
...के वंश का सर्वनाश किया था... लेकिन मेरा दावा यह है कि वह अपराध तुमने नहीं... तुम्हारे किसी पुरखे ने या फिर उसने किया होगा जिसने उस समय तुम्हारा स्थान ग्रहण किया हुआ था- बोलो यह सच है न कि तुमने क्रिस्टलों का सर्वनाश नहीं किया था...

नहीं, दोस्त वह मैं ही था- मुझे अच्छी तरह याद है कि उस समय इस किले में ऐसे इन्तजाम नहीं थे जो आज नज़र आ रहे हैं- वह युद्ध तीर, कमानों, तलवारों, भालों इत्यादि से लड़ा था मैंने विश्वास न हो तो अपनी फौज के हाथों में तलवारें थमा दो- और मुझे उसके सामने पहुंचा दो -फिर देखो मैं वैसे ही उनके सिर कलम कर दूंगा जैसे मैंने सदियों पहले किए थे!
झूठ! बिल्कुल झूठ!... इस धरती पर कोई भी इन्सान सदा अमर नहीं रह सकता! तुमने अपने जिस्म पर सदियों पहले वाले महाबली शाका का खोल पहना हुआ है!
खटाक!
...जिसे मेरा गुलाम 'डेविल' उतार फेंकेगा!
डेविल

घबराओ नहीं दोगी आदमी... मैं तुम्हें भी बन्धन मुक्त कर रहा हूं... ताकि तुम मेरे इस गुलाम डेविल से अपना बचाव कर सको... लेकिन उससे भिड़ने से पहले कम से कम यह तो सुन ही लो महाबली शाका... कि मैं उन्हीं क्रिस्टलों के वंश का आखरी वारिस हूं - जिनका सर्वनाश करने का दावा तुम कर रहे हो!

क्रिस्टल! मगर तुम बच कैसे गए?

क्योंकि जिस समय क्रिस्टलों का सर्वनाश हुआ उस समय मेरा बाप अपनी मां के गर्भ में था- जो कि एक लम्बी समुद्री यात्रा पर निकली हुई थी... मेरे बाप ने अपनी पूरी जिन्दगी में जो ताकत अर्जित की है... उस पूरी ताकत को समेट कर मैं यहां तुमसे प्रतिशोध लेने आ गया हूं!

यह काम तुम्हारे पिता ने क्यों नहीं किया?

वह पहले बहुत शक्ति अर्जित करना चाहता था... लेकिन जब वह शक्ति अर्जित कर चुका तो एक सड़क दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गयी... फिर जैसे ही मैं जवान हुआ तो अपने पिता के अधूरे छोड़े इस काम को पूरा करने चला आया!

तभी...

अब तुम आजाद हो दोगी आदमी... लेकिन यह चेतावनी याद रखना कि तुम मुझसे और मेरे गनमैनों से दस फुट की दूरी पर रहोगे- यह दूरी कम हुई तो तुम्हारा जिस्म गोलियों से छलनी कर दिया जाएगा

SAURABH SHARMA

तुम बहुत दुष्ट और चालाक हो- क्रिस्टली- तुमने चारों ओर दस फुट का क्षेत्र मेरे लिए वर्जित घोषित कर दिया है... अब जितना क्षेत्र बचा है उतने क्षेत्र को तो अकेला डेविल ही अपने हाथ फैलाकर घेर लेगा- तब वहां एक इंच का भी स्थान ऐसा नहीं बचता जिसे मैं अपने बचाव के लिए उपयोग कर सकूं!
लेकिन मुझे यह चुनौती स्वीकार है!
हा, हा, हा!!! मैं चाहता भी यही हूं... कि तुम जैसे ढोंगी इन्सान को खत्म करने के लिए मेरे डेविल को अपने स्थान से हिलना न पड़े।
और अगले ही क्षण बचाव करने की तो दूर महाबली शाका को सोचने तक का अवसर न मिला- क्योंकि स्वामी का आदेश प्राप्त होते ही डेविल ने आश्चर्य जनक फुर्ती से अपने हाथ फैलाए- और महाबली- शाका को अपने इस्पाती हाथों में जकड़ लिया- और उसकी दोनों टांगों के बीच का फासला बढ़ाने लगा।
डेविल- तुम्हारे सामने तुम्हारा भोजन है- तुम्हें सिर्फ यह करना है कि अपना हाथ उठाकर उसे दबोच लेना है!

saurabh
कुऽऽऽऽओं वाऽऽऽऽ!
• डेविल महाबली शाका की टांगों के बीच का फासला बढ़ता जा रहा था... लेकिन क्या वह इस प्रकार महाबली शाका के जिस्म को चीर कर दो भागों में विभाजित कर सका?
•• आखिर कौन था यह रहस्यमय स्वामी?
••• क्या महाबली शाका इस रहस्यमय इन्सान के चेहरे से नकाब उठाने का साहस कर सका?
•••• पेट से जुड़े चार हाथों वाले डेविल का निर्माता-क्या नकाबपोश स्वामी था? क्या यह डेविल जंगल में सर्वनाश करने के बाद शहर में दिखाई दिया?
इन सब सवालों का जवाब आपको मिलेगा-इस कहानी के दूसरे व अन्तिम भाग...
महाबली शाका और स्पाईडर किंग
अलविदा महाबली शाका!
समाप्त